SLC(University of Delhi)

श्यामलाल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय

आईक्यूएसी एवं यूबीए

द्वारा आयोजित

राष्ट्रीय छात्र सेमिनार

एनईपी 2020– सशक्त भारत के लिए

एक नया प्रतिमान'

16 फरवरी, 2021

वर्चुअल मोड

पेपर के लिए आमंत्रण

आईक्यूएसी, एसएलसी (श्यामलाल कॉलेज), दिल्ली विश्वविद्यालय अपार हर्ष के साथ *'एनईपी 2020– सशक्त भारत के लिए एक नये प्रतिमान'* विषय पर एकदिवसीय राष्ट्रीय छात्र सेमिनार के आयोजन की घोषणा करता है। यह राष्ट्रीय सेमिनार भारतीय विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों के स्नातक एवं परास्नातक विद्यार्थियों के लिए काफी रुचिकर होगा।

कॉलेज के बारे में

श्यामलाल कॉलेज (एसएलसी), 1964 में महान दूरदर्शी एवं उद्यमी तथा श्यामलाल चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्कालीन अध्यक्ष पद्मश्री (स्व.) श्री श्यामलाल गुप्ता, द्वारा 1964 में स्थापित दिल्ली विश्वविद्यालय का एक सह–शिक्षा महाविद्यालय है। यह कॉलेज जी.टी रोड, शाहदरा पर एक विशाल इमारत में अवस्थित है। इसके पास अकादमिक के साथ ही पाठ्येत्तर गतिविधियों के लिए भी समुचित बड़ी अवसंरचना है। एसएलसी ने पूरे पूर्वी दिल्ली क्षेत्र में सर्वाधिक सक्षम एवं महत्वपूर्ण शैक्षणिक संस्थान के तौर पर अपनी अपनी प्रतिष्ठा अर्जित की है। इस कॉलेज की गिनती पूरे दिल्ली विश्वविद्यालय के सर्वश्रेष्ठ महाविद्यालयों में से एक के तौर पर की जाती है और पिछले कई वर्षों से यह अकादमिक उत्कृष्टता हासिल करने की दिशा में निरंतर प्रगति कर रहा है।

एसएलसी अपनी स्थापना के बाद से अकादमिक उत्कृष्टता का केंद्र बन गया है और इसका उद्देश्य पूर्वी दिल्ली के आर्थिक और शैक्षिक रूप से वंचित समुदाय के छात्रों, विशेष रूप से लड़कियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना है। कॉलेज का प्रयास हमेशा उच्च शिक्षा को अधिक प्रतिबद्ध, रोजगारोन्मुख, सार्थक तथा व्यावहारिक और साथ ही हमारे समाज और विश्व की सतत परिवर्तनशील मांगों के हिसाब से अधिक अनुकूल बनाने का रहा है।

56 वर्षों की अवधि में, कॉलेज ने विभिन्न विभागों के सुयोग्य संकाय सदस्यों के समृद्ध योगदान की बदौलत अनेक पाठ्यक्रमों के साथ ही स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम भी प्रदान करके अपनी पहचान बनाई है। छात्रों को

भविष्य के नेतृत्वकर्ताओं के रूप में तैयार करने के लिए आवश्यक ज्ञान, कौशल और छात्रों की क्षमताओं को सवंर्धित करने के लिए एसएलसी पूरी तरह से अत्याधुनिक कंप्यूटर लैब, साइंस लैब, नॉलेज रिसोर्स सेंटर और पुस्तकालय एवं खेल सुविधाओं से संपन्न है।

कॉलेज लगातार तीन वर्षों से, कॉलेजों के लिए एनआईआरएफ रैंकिंग में भारत के शीर्ष 100 कॉलेजों (61 वां– 2018; 41 वां– 2019 और 69 वां– 2020) में रहा है। कॉलेज काफी तेजी से देश के एक प्रमुख शैक्षणिक संस्थान के रूप में उभरा है। भारत के उपराष्ट्रपति माननीय श्री वेंकैया नायडू ने हमारे 55 वें वार्षिक दिवस और पुरस्कार वितरण समारोह, 2018–19 की शोभा बढ़ाई है।

आईक्यूएसी के बारे में

राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (एनएएसी) के दिशानिर्देशों के अनुसार, प्रत्येक मान्यता प्राप्त संस्थान से मान्यता पश्चात गुणवत्ता निर्वाह के उपाय के रूप में एक आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन सेल या इंटरनल क्वालिटी एश्योरेंस सेल (आईक्यूएसी) की स्थापना की अपेक्षा की गई है। चूंकि गुणवत्ता संवर्धन एक सतत प्रक्रिया है, इसलिए आईक्यूएसी, एसएलसी (श्यामलाल कॉलेज) गुणवत्ता वृद्धि और जीविका के लक्ष्यों की प्राप्ति की दिशा में काम करती है। आईक्यूएसी का मुख्य कार्य अकादमिक, सह–पाठ्यचर्या और पाठ्येतर पहल के सुगमीकरणएवं उसकी निगरानी के माध्यम से कॉलेज के समग्र प्रदर्शन में सचेत, सुसंगत और उत्प्रेरक सुधार के लिए एक प्रणाली विकसित करना है। कॉलेज की आईक्यूएसीएक प्रणालीबद्ध एवं नियमित फीडबैक तंत्र के माध्यम से इन लक्ष्यों को हासिल करता है और नए एजेंडा और लक्ष्यों की हासिल करने की दिशा में कदम बढ़ाता है।

यूबीए के बारे में

एसएलसी (दिल्ली विश्वविद्यालय), श्याम लाल कॉलेज, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के प्रमुख कार्यक्रम उन्नत भारत अभियान (यूबीए 2.0) में भाग लेने वाला संस्थान है। इस परियोजना के तहत, एसएलसी ने 5 गांवों को गोद लिया है। एसएलसी की यूबीए टीम ने उक्त गांवों का व्यापक सर्वेक्षण किया है, स्वच्छता ही सेवा अभियान में हिस्सा लिया है, ग्रामीणों और अन्य हितधारकों के साथ संवाद किया है। यूबीए, एसएलसी टीम ने सामने से नेतृत्व करते हुए कोविड–19 वैश्विक महामारी के दौरान गोद लिए गए गांवों की विभिन्न तरीकों से मदद की है। गांवों के दौरे, सर्वेक्षण, आंकड़ों के संग्रह और ग्रामीणों और गांवों से जुड़े हितधारकों के साथ संवाद ने समस्या की पहचान करने में मदद की है जिसके लिए एसएलसी, यूबीए की टीम ने पहले ही काम शुरू कर दिया है।

सेमिनार का विषय

शिक्षा पूर्ण मानवीय क्षमता प्राप्त करने, एक समतामूलक, समावेशी, नैतिक समाज की स्थापना और राष्ट्रीय प्रगति को बढ़ावा देने की दिशा में एक गतिशील प्रक्रिया है। पुनरुत्थानशील भारत अपने नागरिकों को आर्थिक विकास, वैज्ञानिक उन्नति, राष्ट्रीय एकीकरण, सांस्कृतिक संरक्षण, सामाजिक न्याय और समानता तक अधिकतम पहुंच के

लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने और राष्ट्र की समृद्धि लाने के लिए आत्मनिर्भरता प्राप्त करने की दिशा में उत्तरोत्तर काम कर रहा है। एनईपी– 2020 हमारे देश के प्रचुर मात्रा में उपलब्ध मानव संसाधनों, प्रतिभाओं, समृद्ध परंपराओं और प्राचीन ज्ञान नेटवर्क को विकसित करने और उसे अधिकतम सीमा तक ले जाने के लिए सार्वभौमिक उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा के निर्माण की दिशा में एक बड़ी छलांग का वादा करता है।

0–14 आयु वर्ग (भारतीय जनगणना, 2011 बी) में 29.5 प्रतिशत लोगों के साथ भारत दुनिया में सबसे अधिक युवा आबादी वाला देश है। इस प्रकार, सभी को उच्च–गुणवत्ता वाले शैक्षिक अवसर प्रदान करने के लिए एनईपी 2020 जैसी प्रगतिशील नीतियां हमारे देश के भविष्य का निर्धारण करेंगी। पूरी दुनिया में ज्ञान परिदृश्य में तेजी से बदलाव ने, मशीन शिक्षण (मशीन लर्निंग), कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस) और बिग डेटा के क्षेत्र में वैज्ञानिक और तकनीकी विकास लाने का काम किया है। अधिकतम लाभ हासिल करने के लिए इन प्रगतियों के लिए एक कुशल कार्यबल के साथ–साथ विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, और मानविकी में बहु–विषयक सहयोग की जरूरत है।

29 जुलाई 2020 को अधिसूचित राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (एनईपी 2020) भारत की नई शिक्षा प्रणाली के दृष्टिकोण को रेखांकित करती है। एनईपी 2020 का उद्देश्य बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा से उच्चतर शिक्षा तक उच्चतम गुणवत्ता, समता और ईमानदारी लाने वाले बड़े सुधारों के लिए रास्ता बनाकर वर्तमान शिक्षा परिणामों और भविष्य की शिक्षा आवश्यकताओं के बीच की खाई को पाटना है।

यह नीति प्राथमिक शिक्षा से लेकर उच्चतर शिक्षा के लिए एक समग्र फ्रेमवर्क है। यह ग्रामीण और शहरी भारत के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण, शिक्षा के लिए कोई अनिवार्य भाषा नहीं होने, "10 + 2" संरचना को "5 + 3 + 3 + 4" मॉडल से बदलने का एक प्रारूप पेश करती है। यह प्रस्तावित 4–वर्षीय बहु–विषयक स्नातक की डिग्री के दौरान कई बिंदुओं पर निकास विकल्प मुहैया कराती है। यह नीति हमारे महान देश को फिर से ज्ञान की महाशक्तियों में से एक के रूप में स्थापित करके भारत की शिक्षा प्रणाली में परिवर्तन का खाका पेश करती है।

सेमिनार का उद्देश्य

इस राष्ट्रीय संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रों/धाराओं के लोगों (छात्रों) के बीच एक संवाद को बढ़ावा देना है जो सभी को उच्च–गुणवत्ता वाले शैक्षिक अवसर प्रदान करने के लिए एनईपी 2020 के समय पर कार्यान्वयन के महत्व को रेखांकित करेगी। संगोष्ठी का समग्र दृष्टिकोण प्रतिभागियों को एनईपी 2020 में गुणवत्ता, बहुविषयकता, शिक्षा के माध्यम, कौशल शिक्षा और शैक्षणिक शिक्षा के ढांचे पर मंथन करने में मदद करेगा। यह संगोष्ठी नीति निर्माताओं एवं अन्य संबंधित एजेंसियों के फायदे के लिए उन्हें एनईपी कार्यान्वयन पहल की सिफारिश करने में मदद करेगी। इससे एनईपी–2020 के एजेंडा को हासिल करने के लिए सभी हितधारकों को एक साथ लाने और भारत को *विश्वगुरु* के रूप में स्थापित करने में भी मदद मिलेगी।

किन्हें लेना चाहिए हिस्सा?

यह राष्ट्रीय छात्र सेमिनार देश भर के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के सभी अनुशासनों के स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों के लिए काफी दिलचस्पी वाला होगा।

सेमिनार के मुख थीम (विषय)

हम एनईपी 2020 के संबंध में निम्नलिखित विषयों अनुसार मौलिक विचारों का स्वागत करते हैं। हालांकि, यह बाध्यकारी न होकर सांकेतिक है।

- सभी का सशक्तीकरण : स्कूली शिक्षा के बदलते प्रतिमान
- प्राचीन समृद्ध भारतीय ज्ञान प्रणाली और वर्तमान को फिर से जोड़ना
- स्थानीय भाषा, कला और संस्कृति के विकास की आवश्यकता पर फिर से जोर देना
- शिक्षा की क्षमता और पहुंच बढ़ाना : प्रौद्योगिकी के साथ शिक्षण
- आत्मनिर्भर भारत : कौशल और व्यावसायिक शिक्षा की ओर स्थानांतरण
- समग्र और बहुविषयक शिक्षा की ओर रुख
- नये भारत के लिए विजन : गुणवत्तायुक्त अकादमिक शोध के लिए उत्प्रेरक तैयार करना।
- वित्त पोषण : सभी के लिए सस्ती और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा
- स्कूली शिक्षा के लिए प्रतिमान बदलना

प्रमुख वक्ता

प्रसिद्ध शिक्षाविद, नीति निर्माता, शोधकर्ता, अधिकारी इस सेमिनार में मुख्य वक्ता होंगे।

महत्वपूर्ण तिथियां

भारत भर के संस्थानों के छात्रों से अधिकतम 2500 शब्दों के लघु पत्र/वैचारिक पत्र और केस स्टडीज आमंत्रित हैं। लेख को **iqacconference@shyamlal.du.ac.in** पर डॉक्स/(या पठनीय पीडीएफ) प्रारूप में विषय का उल्लेख करते हुए (संलग्नक में सूचीबद्ध) निम्नलिखित समय–सारणी के अनुसार प्रस्तुत किया जाना चाहिए:

पेपर जमा करने की प्रारंभ तिथि ..... **18 जनवरी, 2021**

पेपर सबमिशन की अंतिम तिथि ..... **31 जनवरी, 2021**

स्वीकृति अधिसूचना ..... **02 फरवरी, 2021**

प्रारंभिक पंजीकरण प्रारंभ तिथि ..... **02 फरवरी, 2021**

प्रारंभिक पंजीकरण की अंतिम तिथि ..... **12 फरवरी, 2021**

पंजीकरण शुल्क

पंजीकरण शुल्क प्रति प्रतिभागी 100 रुपये हैं। पंजीकरण शुल्क का भुगतान निम्नलिखित लिंक पर क्लिक करके करें।

https://www.payumoney.com/customer/users/paymentOptions/#/895318E1C2E1A60DA89F78E6605866CB/LISSUMMIT20/211927

शुल्क का भुगतान करने के बाद अपने निबंधन को सुनिश्चित करने के लिए कृपया इस लिंक के सहारे निबंधन फॉर्म भरें : https://forms.gle/Zn6dFa62wu77PZKi6

पुरस्कार एवं प्रमाण–पत्र

सभी निबंधित प्रतिभागियों को हिस्सेदारी/प्रस्तुति प्रमाणपत्र दिया जाएगा। सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुतियों को पुरस्कार दिये जाएंगे।

प्रथम पुरस्कार : 5000 रुपये

द्वितीय पुरस्कार : 3000 रुपये

तृतीय पुरस्कार : 2000 रुपये

साथ में काफी कुछ और...

कार्यक्रम स्थल

कार्यक्रम वर्चुअल मोड में होगा.

सम्मेलन से संबंधित किसी भी प्रश्न के लिए हमसे संपर्क कर सकते हैं।

Feel free to contact for any type of conference related query.

डॉ. कुषा तिवारी (संयोजक, आईक्यूएसी)

सम्मेलन संरक्षक

श्रीमती सविता गुप्ता
चेयरपर्सन, एसएलसी

प्रो. रविनारायण कर
प्राचार्य, एसएलसी

आयोजन समिति

डॉ. आशु गुप्ता	डॉ. अरकजा गोस्वामी	डॉ. कविता अरोड़ा	डॉ. समरेंद्र कुमार
डॉ. गायत्री चतुर्वेदी	डॉ. सीताराम कुंभार	डॉ. अनुज कुमार शर्मा	डॉ. सुनैना जुत्सी
डॉ. नीलम डबास	श्री सुशील कुमार	श्री राहुल तोमर	श्री विवेकानंद नर्तम
सुश्री पलक कक्कड़	सुश्री राप्ती मिश्रा		

SLC(University Of Delhi)

SHYAM LAL COLLEGE

G.T.ROAD, SHAHDARA ,DELHI -110032

Tel:+91-22324086 ; Fax: +91-22322201

Website:www.slc.du.ac.in